केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 44 गुरूवार 3 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

आउटसोर्स कर्मचारियों को 20 से 40 लाख का बीमा: बैंक खाते में जायेगा मानदेय

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए बुधवार को कई ऐलान किए। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ करने के साथ ही उन्होंने यूपीकॉस के पोर्टल और वेबसाइट की लॉन्चिंग और इसके लोगो का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने आउटसोर्स सेवा निगम के साथ भारतीय स्टेट बैंक के एमओयू का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अब मानदेय सीधे कर्मचारियों के बैंक खाते में जाएगा और घटना–दुर्घटना, आपदा का शिकार होने पर निर्धारित श्रेणी के अनुसार 20 से 40 लाख तक का दुर्घटना बीमा कवर परिवार को मिलेगा। अग्निकांड का शिकार होने पर 10 लाख, आकस्मिक दवा के लिए पांच लाख, आपात स्थिति में एयर एंबुलेंस की सुविधा के लिए 10 लाख, बेटे की शिक्षा के लिए 8 लाख, बेटी की शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक मिलेगा।

यही नहीं दो बेटियों की शादी के लिए 8 से 10 लाख तक की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसी कर्मचारी की मृत्यु पर बैंक के जरिए से आउटसोर्स सेवा निगम कर्मचारी के परिवारीजनों को तत्काल 50 हजार रुपये उपलब्ध कराएगा। कर्मचारियों का खाता जीरो बैलेंस पर खुलेगा। इसके जरिए से परिवार के चार सदस्यों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सीएम योगी ने कहा कि अब आउटसोर्स कर्मचारियों को ऑर्गनाइज्ड, स्किल्ड, सिक्योर और डिग्निफाइड वर्कफोर्स में बदलने वाला निगम शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी को समय पर अधिकार मिलता है तो उसका लाभ केवल एक व्यक्ति को नहीं मिलता। बच्चे की पढ़ाई, मां की दवाई, बेटी का भविष्य सुनिश्चित होता है। परिवार को भरोसा मिलता है कि मेहनत बेकार न जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि सरकार आउटसोर्स सेवा निगम के जरिए से 20 लाख लोगों को सुरक्षा कवर मुहैया कराना चाहती है। अब सरकारी विभाग, आउटसोर्स एजेंसी और कर्मचारी आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक आधारित व्यवस्था से जुड़ जाएंगे। मैनपावर की आवश्यकता का आकलन, खाली होने वाली जगहों का पहले से अनुमान और मानव संसाधन की योजना बनाई जा सकेगी। इस मौके पर सीएम योगी ने उन्होंने आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ाए गए पारिश्रमिक के चेक भी सौंपे। उन्हें 40 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया। सीएम योगी ने कहा कि आउटसोर्स सेवा निगम बनने से 3.5 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि उनके पारिवारिक सदस्यों समेत 17–20 लाख व्यक्तियों को इसका लाभ मिलेगा।

एक नजर

छठ पर्व पर उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को ललही छठ का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। माताओं ने अपने पुत्रों की लंबी उम्र, सुख–समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना के लिए यह व्रत रखा। उन्होंने विधि–विधान से पूजा की और बच्चों के अच्छे भविष्य की प्रार्थना की। सुबह से ही महिलाओं में पर्व को लेकर काफी उत्साह दिखा।

शहर के अमहट घाट के पास ललही छठ व्रत के लिए महिलाओं की भीड़ जमा हुई। घाट के पास पहुंचकर महिलाओं ने पूजा की सामग्री के साथ छठ माता की पूजा की। इस दौरान घाट का माहौल भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने एक साथ पूजा कर पुत्रों की लंबी उम्र और परिवार की सुख–शांति के लिए प्रार्थना की। अमहट घाट पर व्रत और पूजा का सुंदर नजारा देखने को मिला।

ललही छठ के लिए शहर के अलग–अलग मोहल्लों में भी खास तैयारियां की गई थीं। जिन जगहों पर प्राकृतिक तालाब या पोखर नहीं थे, वहां लोगों ने छोटी पोखर बनाई। उसमें पानी भरकर महिलाओं ने पूजा की परंपरा निभाई। कई जगह बच्चों को पोखर के पानी से मुंह भी धुलाया गया। मान्यता है कि इस पर्व पर माताएं अपने पुत्रों की सेहत, लंबी उम्र और खुशहाल जीवन के लिए व्रत रखती हैं। पूजा के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और एक–दूसरे के साथ पर्व की खुशियां बांटीं। घरों में भी धार्मिक माहौल था। पर्व को लेकर बच्चों में भी काफी उत्साह दिखा।

करंट की चपेट में आया बालक, दो महीने बाद जागा बिजली विभाग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के गरवाह गांव में बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक बड़े हादसे की वजह बन गई। गांव में करीब दो महीने से जमीन पर पड़ा विद्युत तार बुधवार को 7 वर्षीय नितेश के लिए जानलेवा साबित हुआ। करंट की चपेट में आने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसकी कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

जानकारी के अनुसार, गांव में करीब दो महीने पहले एक पेड़ गिरने से बिजली का तार टूटकर जमीन पर आ गया था. ग्रामीणों का कहना है कि तार में करंट प्रवाहित होने की जानकारी बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कई बार दी गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया गया।

बुधवार को गांव का 7 वर्षीय नितेश खेलते समय उसी तार के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई. परिजन और ग्रामीण तत्काल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तार को दुरुस्त किया. इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई. उनका कहना है कि यदि विभाग पहले ही शिकायतों को गंभीरता से लेता तो यह हादसा नहीं होता। गांव निवासी मंटू सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि टूटे हुए तार की शिकायत लगातार की जा रही थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया. ग्रामीणों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

साथ ही ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव की विद्युत व्यवस्था की जांच कराने और खुले या जर्जर तारों को तत्काल ठीक कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

लम्बित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करायें अधिकारी–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनसामान्य से जुड़े राजस्व मामलों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने तहसील स्तर पर लंबित वादों, नामांतरण, वरासत, पैमाइश, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों का नियमित अनुश्रवण करते हुए उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाए। अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकरण को लंबित न रखा जाए तथा फरियादियों को समय से न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती अपर जिलाधिकारी ज्ञान चंद्र गुप्ता,समस्त उप जिलाधिकारी ,तहसीलदार,नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वाइन फ्लू के 4 मरीज मिले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। पिछले एक सप्ताह में जिले में स्वाइन फ्लू के चार मरीज मिल चुके हैं। नया मामला सांऊघाट ब्लॉक के बड़ेरिया खुर्द गांव का है, जहां 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है।

परिजनों के अनुसार, महिला को सांस लेने में परेशानी होने पर पहले स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां जांच में स्वाइन फ्लू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। लखनऊ मुख्यालय से महिला की जांच रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को भेजी गई है। महिला को आइसोलेशन में रखकर उपचार किया जा रहा है।

आईडीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार चौधरी ने बताया कि जिले में अब तक चार मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। नया मरीज पहले से अस्थमा से पीड़ित है और जिले के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लखनऊ ले गए, जहां जांच के बाद स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई।

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित महिला के संपर्क में आए लोगों की निगरानी शुरू कर दी है। बचाव और निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें क्षेत्र में भेजी जा रही हैं। रैपिड रिस्पांस टीम को भी अलर्ट रखा गया है। साथ ही जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए सीएमओ कार्यालय में कंट्रोल रूम शुरू किया गया है। यहां डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए हैं। बीमारी से संबंधित जानकारी या चिकित्सकीय सलाह के लिए 8005192643 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि सभी एमओआईसी को संदिग्ध मरीजों की जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में बेड आरक्षित रखे गए हैं और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में निगरानी और दौरा कर रही हैं।

नगरपालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया 40 लाख रूपये की लागत वाले चिल्ड्रेन पार्क का शिलान्यास

–चिल्ड्रेन पार्क में रहेंगे बच्चों के खेलने के उपकरण, ओपन जिम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के बैरिहवा क्षेत्र में बच्चों और स्थानीय लोगों के लिए एक नई सुविधा जुड़ने जा रही है। डॉन वास्को स्कूल के निकट बुधवार को मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत करीब 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चिल्ड्रेन पार्क का शिलान्यास नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया। पार्क के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को खेलकूद और मनोरंजन के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ ही बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से क्षेत्र में चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। पार्क के निर्माण के बाद बच्चों को खेलने के लिए व्यवस्थित स्थान मिलेगा, वहीं स्थानीय लोगों को भी सुबह–शाम टहलने और कुछ समय बिताने की सुविधा मिल सकेगी।

प्रस्तावित चिल्ड्रेन पार्क में बच्चों के मनोरंजन और खेलकूद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। पार्क में बच्चों के खेलने के उपकरण, ओपन जिम के उपकरण, गेट और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा लोगों के आवागमन के लिए पाथवे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और बैठने के लिए बेंच भी लगाई जाएंगी। पार्क को आकर्षक और हरा–भरा बनाने के लिए फूल–पौधे भी लगाए जाएंगे। इससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ने के साथ लोगों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिल सकेगा। पार्क की योजना इस तरह तैयार की जा रही है कि बच्चों के साथ स्थानीय नागरिक भी इसका उपयोग कर सकें।

बैरिहवा क्षेत्र में चिल्ड्रेन पार्क बनने से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। अभी बच्चों के खेलने और मनोरंजन के लिए व्यवस्थित सार्वजनिक स्थान की कमी महसूस की जाती है। ऐसे में करीब 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह पार्क बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। पार्क में ओपन जिम की सुविधा होने से युवाओं और अन्य लोगों को भी व्यायाम के लिए स्थान मिलेगा। वहीं बेंच और पाथवे जैसी सुविधाओं से बुजुर्गों और स्थानीय लोगों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता, जेई अर्पित निगम, वरिष्ठ भाजपा नेता अंकुर वर्मा, सभासद प्रफुल्ल श्रीवास्तव समेत मोनू पाण्डेय, विक्रम चौहान, विवेक श्रीवास्तव और अरुण पाण्डेय मौजूद रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पार्क के शिलान्यास को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखने को मिला। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की सार्वजनिक सुविधाओं का विकास होने से बच्चों को सुरक्षित वातावरण में खेलने का अवसर मिलेगा। साथ ही पार्क बनने से बैरिहवा क्षेत्र की खूबसूरती और सुविधाओं में भी इजाफा होगा।

नगर पालिका की ओर से कराए जा रहे इस निर्माण कार्य को शहर में सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। तय योजना के अनुसार जल्द ही पार्क तैयार होकर आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा।

आउटसोर्स सेवा निगम के 'लोगो' का अनावरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो का अनावरण, निगम की वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारंभ तथा आउटसोर्स कर्मियों के बढ़े हुए पारिश्रमिक की उद्घोषणा की गई। इस अवसर पर विभिन्न लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए तथा सफाई कर्मियों को भी सामग्री/लाभ का वितरण किया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण और मुख्यमंत्री जी का उद्बोधन जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण,अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य लोगों द्वारा बहुउद्देशीय हाल राजकीय इण्टर कालेज में देखा गया। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना तथा आउटसोर्स कर्मियों के हित में की गई घोषणाओं की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियो व अधिकारियो द्वारा कार्मिको को प्रशस्ति पत्र, विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियो को डेमो चेक, टूल किट दिया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, अंकुर वर्मा, जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता, बीएसए अनुप तिवारी, सहायक श्रमायुक्त सचिन सिंह सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया।

सरयू का जल स्तर बढा, तटबंधों पर दबाव

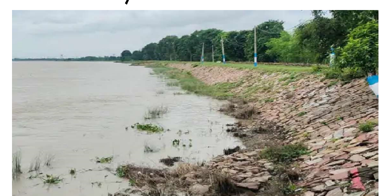

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया क्षेत्र में नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नदी का पानी अब खतरे के निशान से सिर्फ एक सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही दुबौलिया तटबंध पर भी पानी का दबाव लगातार बढ़ रहा है। तटबंध के कई जगहों पर रिसाव भी देखा गया है, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। रिसाव के कारण तटबंधा के दूसरी तरफ खेतों में पानी भरने लगा है। इससे किसानों की फसलों पर संकट आ गया है।

नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंध पर बढ़ते दबाव को देखते हुए ग्रामीण चिंतित हैं। लोगों का कहना है कि अगर जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो आने वाले समय में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तटबंध की लगातार निगरानी करने, रिसाव वाले स्थानों पर तुरंत बचाव कार्य करने और प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी व्यवस्था करने की मांग की है। प्रशासन और ग्रामीणों को सतर्क रहना चाहिए और नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सोशल मीडिया पोस्ट से विश्व हिन्दू महासंघ में रोष: एसपी को सौंपा पत्र

–विधायक महेन्द्रनाथ यादव के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेन्द्र नाथ यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबंध में सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट से उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

एसपी को दिए गए पत्र में अखिलेश सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के लोकप्रिय जननेता हैं और उनकी साफ–सुथरी छवि के कारण जनता के बीच उनका व्यापक जनसमर्थन है। ऐसे में कुछ लोग राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। 31 अगस्त 2026 को सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेन्द्र नाथ यादव द्वारा सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़ी एक कथित फर्जी तस्वीर और आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की गई। विश्व हिन्दू महासंघ का आरोप है कि उक्त पोस्ट से मुख्यमंत्री की छवि धूमिल हुई है तथा उनके समर्थकों और अनुयायियों की भावनाएं भी आहत हुई हैं।

अखिलेश सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि मामले की सूचना उसी दिन पुलिस को दे दी गई थी, लेकिन अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने इसे गंभीर प्रकृति का मामला बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और भ्रामक सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से अभय सिंह रघुवंशी, सौरभ त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव, बालकृष्ण सिंह बबलू, सुधीर सिंह, शिवम मिश्रा और अभिषेक आर्य आदि शामिल रहे।

मां की स्मृति में आयोजित शिविर में 73 ने किया रक्तदान

–रक्तदान समाज के लिये प्रेरणा बने– आलोक पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेता आलोक पाण्डेय और सभासद कृष्ण कुमार सोनू पाण्डेय की माता उर्मिला पाण्डेय की स्मृति में पुराना डाकखाना स्थित आवास पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 73 लोगों ने रक्तदान किया। आलोक पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान के द्वारा हम लोगों की जान बचाने का माध्यम बनते हैं। मां की स्मृति में रक्तदान समाज के लिये प्रेरणा बने इस संकल्प के साथ शिविर आयोजित किया गया। इसके साथ ही उपस्थित लोगों में तुलसी जी के पौधे का वितरण किया गया।

उर्मिला फाउन्डेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में मनीष अग्रवाल, औवेश, राजकुमार पाण्डेय, विजय कुमार पाण्डेय, बंश कुमार पाण्डेय, सूर्य कुमार उपाध्याय, महेन्द्र कुमार गुप्ता, गोविन्द कुमार गुप्ता, आशीष शुक्ल, विवेक पाण्डेय, विजय उपाध्याय, आशुतोष, दुर्गेश मिश्र, कमल श्रीवास्तव, सन्तोष पाण्डेय, मो. तालीम, मनीष श्रीवास्तव, पूजा पाण्डेय, आराधना, अनुराग शुक्ल, पंकज गुप्ता, देवानन्द उपाध्याय, दिलीप कुमार, प्रियाशु त्रिपाठी, दीपचन्द पाण्डेय, अजय कुमार पाण्डेय, अदनान अंसारी, राजीव मिश्र, जयेन्द्र गुप्ता, अवनीश पाण्डेय, अमित कुमार पाण्डेय, शशांक जायसवाल, रजत मद्धेशिया, पंकज ओझा, नीलमणि पाण्डेय, जितेन्द्र पाण्डेय, कुलदीप, अशोक कुमार पाण्डेय, विकास चौधरी, सुधाशु अग्रवाल के साथ ही 73 लोगों ने रक्तदान किया। बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक के शिवम मिश्र, मुकेश कुमार, असजद, जितेन्द्र, दीपेन्द्र यादव, विजय शुक्ल, मुकेश कुमार आदि ने रक्त संग्रह में योगदान दिया।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 सितम्बर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

कमरतोड़ महंगाई में उलझी जिन्दगी

सुबह की चाय से लेकर रात के खाने तक, घर से ऑफिस जाने तक बच्चों की पढ़ाई तक आज हर आम आदमी की जिंदगी का लगभग हर हिस्सा महंगाई के हिसाब किताब में ही निकल रहा है। किसी चीज की कीमत मे छह, सात, आठ या नौ रुपये की बढ़ोतरी पहली नजर में बहुत छोटा अंक लगता है और मामूली वृद्धि कहकर नजरंदाज कर दिया जाता है। आखिर नौ रुपये ही तो बढ़े है, इससे किसी परिवार पर कितना ही असर पर जाएगा? पर किसी परिवार में न ही किसी एक चीज खरीदी जाती है या न ही किसी एक की कीमत बढ़ती है। जब दूध, प्याज, गैस, सीएनजी, पीएनजी, टैक्सी या ऑटो का किराया, वाहन, मोबाइल रिचार्ज और दूसरी अन्य चीज की कीमत बढ़ती है तो महीने के अंत तक ये सब मिलकर एक बढ़ी रकम बन जाते हैं।

महंगाई की मार सिर्फ रसोई तक ही सीमित नहीं है। घर से बाहर निकलते ही बढ़ते खर्च का दूसरा हिसाब शुरू हो जाता है। सीएनजी की कीमत बढ़ती है तो इसका असर केवल उस व्यक्ति पर नहीं पड़ता जिसकी निजी गाड़ी सीएनजी से चलती है। सीएनजी महंगी होने पर ऑटो और टैक्सी चालकों का खर्च बढ़ता है और इसका सीधा असर यात्रियों के किराये पर पड़ सकता है। ऑटो और टैक्सी के किराये में हालिया बढ़ोतरी इस बात का उदाहरण है कि ईंधन की बढ़ती लागत का बोझ आखिरकार किसी न किसी रूप में उपभोक्ता तक पहुंचता है। एक या दो रुपये की बढ़ोतरी किसी एक यात्रा में मामूली लग सकती है, लेकिन जो व्यक्ति प्रतिदिन कार्यालय जाता है और महीने में न जाने कितनी बार यात्रा करता है, उसके लिए यही छोटी बढ़ोतरी धीरे–धीरे एक अलग मासिक खर्च बन जाती है। सोने की बढ़ती कीमतें भी इसका एक उदाहरण हैं। भारत में सोना केवल एक आभूषण नहीं है। उसे एक तरह से बचत या शादी ब्याह के लिए भविष्य की तरह देखा जाता है। इतो ऐसे समय में एक मध्यवर्गीय परिवार इतने महंगा सोना कैसे खरीद पाएगा?

महंगाई की सबसे बड़ी चुनौती मध्यमवर्गीय और वेतनभोगी परिवारों के सामने खड़ी होती है। एक वेतनभोगी कर्मचारी की आय आमतौर पर तय होती है। उसे महीने की शुरुआत में एक निश्चित वेतन मिलता है, लेकिन उसका खर्च निश्चित नहीं होता। घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई, राशन, दूध, बिजली, पानी, यात्रा, फोन रिचार्ज और ईएमआई (म्डप) जैसे कई खर्च पहले से ही उसका इंतजार कर रहे होते हैं। ऐसे में अगर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं तो उसके सामने आमदनी बढ़ाने का विकल्प तुरंत मौजूद नहीं होता। उसका वेतन अगले महीने अपने आप नहीं बढ़ता, इसलिए उसे खर्चों में बदलाव करना पड़ता है।

मध्यम वर्ग की स्थिति इस मामले में सबसे अधिक मुश्किल है। वह न तो इतना संपन्न होता है कि बढ़ती कीमतों को बिना सोचे स्वीकार कर ले और न ही कई बार उसे ऐसी सहायता मिलती है जो आर्थिक रूप से कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए उपलब्ध होती है। ऐसे लोग ऐसी स्थिति को न तो ठीक से स्वीकार पाते हैं और न ही ठीक से नकार पाते हैं। वह अपनी जिंदगी का अधिकांश हिस्सा हिसाब लगाते हुए बिताता है। महीने की सैलरी आने से पहले ही उसके खर्च तय होते हैं और जब खर्च बढ़ते हैं तो सबसे पहले बचत प्रभावित होती है।

यही बचत बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने, शादी, भविष्य, शौक और किसी आपात स्थिति के लिए जरूरी होती है। जब रोजमर्रा की महंगाई बचत को कम करने लगती है तो उसका असर केवल वर्तमान पर नहीं, बल्कि भविष्य की प्लानिंग पर भी पड़ता है। सवाल सिर्फ इतना है कि वह इसके लिए क्या छोड़ेगा– अपनी बचत, अपनी जरूरतें या अपने सपने? महीने के आखिरी दिनों में एक मध्यमवर्गीय परिवार के बजट में दिखाई देता है और तब समझ में आता है कि छह, सात, आठ और नौ रुपये की रकम कभी इतनी छोटी थी ही नहीं। चुनाव के समय राजनीतिक दल महंगाई कम करने की बात तो करते हैं किन्तु ऐसा लगता है कि अब सरकारें नियंत्रण खो चुकी हैं।

मोहन भागवत का संदेश

अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, तो फिर वह हिंदू नहीं है।' न्यूयॉर्क में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह बयान भारत के बहु–धार्मिक समाज में सहअस्तित्व और समानता की जरूरत को रेखांकित करता है। उन्होंने अपने संबोधन में जिस एकता और मानवता की बात की, असल में उसकी जरूरत आज पूरी दुनिया को है। उनके बयान का एक प्रमुख अर्थ यह निकलता है कि बहुसंख्यक होने का अर्थ दूसरों के अस्तित्व को नकारना नहीं है और न ही संख्या कम–ज्यादा होने से अधिकारों में कमी–बेसी होती है। देश में सभी की बराबर जगह है और संविधान ने सभी को बराबर हक दिया है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता रही है उसकी विविधता। धर्म, भाषा, जाति और परंपराओं में भिन्नता कमजोरी नहीं, देश की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। भारत के लिए श्विविधिता में एकताश महज नारा नहीं, उसका अपना जीवन अनुभव है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए और भागवत ने यही संदेश दिया।

संघ प्रमुख ने धार्मिक पहचान, आपसी सम्मान और सद्भाव को लेकर जो बातें कही हैं, वे आज के परिप्रेक्ष्य में बेहद अहम हो जाती हैं। पूरी दुनिया में धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर तनाव बढ़ रहा है। लंबे समय से युद्ध छिड़े हुए हैं। दूसरों को नकारने की आदत ने रास्ता रोक रखा है संवाद का। यह याद रखना चाहिए कि इंसानी गरिमा हर सूरत में एक होती है। अगर इसे स्वीकार कर लिया जाए, तो कई टकराव टाले जा सकते हैं।

प्रवासी भारतीयों को दिया 'कर्मभूमि' का मेसेज इस मायने में महत्वपूर्ण है कि इस समय अमेरिका में प्रवासियों को शक की नजरों से देखा जा रहा है। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन इमिग्रेशन पॉलिसी को लगातार सख्त बनाता जा रहा है। आधुनिक अमेरिका को गढ़ने में जितना हाथ अमेरिकियों का है, उसमें कम प्रवासियों और उसमें भी भारतीय मूल के लोगों का नहीं। फिर भी, जिस देश ने सपने पूरे करने में मदद की, उसके प्रति प्रतिबद्धता कम नहीं हो जाती।

भागवत का यह कार्यक्रम काफी विवादों में रहा। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी इवेंट के खिलाफ थे। लेकिन, यह बात समझने की है कि लोकतंत्र विरोधी विचारों की जगह है। अगर किसी से असहमति है, तो भी उसकी बात सुनी जानी चाहिए। और ममदानी खुद अमेरिकी लोकतंत्र की मजबूती की वजह से आज इस पद तक पहुंचे हैं। आखिर में, भागवत ने जो कहा, उसकी असल परीक्षा व्यवहार में है।

दलित विरोधी मानसिकता की विडम्बना

—निर्मल रानी—

उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में गत 8 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा श्वजिय शंखनाद रैलीश का आयोजन किया गया था। इस रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया था। इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यासश नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे श्शुद्धिकरणश आयोजन का नाम दिया गया । इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि श्इस शुद्धिकरण ने मुझे छुआछूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ श्ैै एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने श्मनुस्मृतिश की प्रतियां और उसके अनेक पन्ने जलाये। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की है, जबकि दूसरी भाजपा और आरएसएस की है जो मनुस्मृति के आधार पर देश चलाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि खड़गे के भाषण के बाद मंच को अपवित्र मानकर गंगाजल से उसका शुद्धिकरण करना देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों,पिछड़ों व उनकी अस्मिता का अपमान है। नागपुर स्थित संघ के केंद्रीय मुख्यालय के बाहर भी मनुस्मृति जलाकर विरोध दर्ज कराया गया। गोया श्शुद्धिकरणश की इस घटना को लेकर उपजा राजनीतिक विवाद इस समय देश के सबसे बड़े राजनीतिक मुद्दों में से एक बन गया है।

देश में इसतरह के कई ऐसे श्हाई प्रोफ़ाइलश मामले सार्वजनिक होते हैं जो संघ व भाजपा से जुड़े नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करते रहते हैं। दलित कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार भंवर मेघवंशी को ही देख लीजिये। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में 1987 में आरएसएस की शाखा में जाना शुरू किया था। मेघवंशी संगठन में भीलवाड़ा के जिला प्रमुख के पद तक पहुंचे और 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में एक सक्रिय कारसेवक के रूप में भी भाग लिया। परन्तु ऐसे समर्पित स्वयंसेवक को जातिगत भेदभाव के कारण हमेशा के लिए संघ से नाता तोड़ना पड़ा। संघ छोड़ने के मुख्य कारणों को उन्होंने अपनी चर्चित आत्मकथा श्मैं एक कारसेवक थाश में बयान किया है। उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उनके गृह जिले भीलवाड़ा (राजस्थान) आए, तो उन्होंने बड़े उत्साह से अपने घर पर भोजन तैयार करवाया। परन्तु संघ के वरिष्ठ श्सवर्ण श्नेताओं ने उनके घर आकर भोजन करने से यह कहते हुये साफ इनकार कर दिया कि वे समय की कमी के कारण भोजन पैक करवाकर साथ ले जा रहे हैं। बाद में संघ के उन्हीं श्सवर्णश नेताओं ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझा करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का श्प्रचारकश बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर जिस श्हिंदू राष्ट्रश और समानता के दावे के लिए वे लड़ रहे थे, उसमें एक दलित के रूप में उनकी सामाजिक हैसियत को स्वीकार नहीं किया जा रहा था।

इन अपमानजनक घटनाओं और भेदभाव को इस तरह भी समझा जा सकता है कि गाँवों और अध्र्–शहरी इलाकों में दलितों को उनकी सामाजिक स्थिति का एहसास कराने के लिए कई अमानवीय प्रथाओं और पाबंदियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरणतः कई राज्यों में दलित दूल्हे द्वारा शादी में घोड़ी चढ़ने या सज–धज कर बारात निकालने पर सवर्णों द्वारा हमले या पत्थरबाजी की जाती है। दलित युवाओं द्वारा मूंछ रखने, महंगे जूते पहनने, अथवा सवर्णों के सामने पैर पर पैर रखकर बैठने पर मारपीट और जानलेवा हमलों की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। अनेक सार्वजनिक कुओं, हैंडपंपों, तालाबों या मंदिरों में दलितों के प्रवेश को लेकर आज भी हिंसक टकराव होते हैं। शिक्षण संस्थानों तक में दलित छात्र जातिगत पूर्वाग्रहों और अपमान का शिकार होते हैं। कई सरकारी स्कूलों में दलित बच्चों को भोजन की कतार में अलग बैठाने, उनके द्वारा बनाए गए भोजन को सवर्ण बच्चों द्वारा न खाने, या उन्हें अलग बर्तनों में खाना देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार दलित छात्रों को पढ़ाई के बजाय स्कूल या कॉलेज के शौचालय और परिसर साफ करने के लिए मजबूर किया जाता है। आईआईटी,एम्स,और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों या सहपाठियों द्वारा योग्यता पर सवाल उठाने और जातिसूचक टिप्पणियों के कारण कई मेधावी दलित छात्रों को आत्महत्या तक के लिए मजबूर होना पड़ा है। दलित महिलाएं लैंगिक और जातिगत दोनों स्तरों पर दोहरे शोषण का शिकार होती हैं। हाथरस और खैरलांजी जैसी ऐतिहासिक और भयावह घटनाओं से लेकर रोजमर्रा की अनेक घटनाओं तक, दलित महिलाओं को डराने, दबाने और पूरे दलित समुदाय को श्सबक सिखानेश के लिए यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आम मामलों की तुलना में दलित महिलाओं के साथ हुए यौन अपराधों में दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम अर्थात करीब 2ः से भी कम रहती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर पुलिस और व्यवस्था में रसूखदार लोगों का प्रभाव होता है। उचित मजदूरी मांगने या अपनी जमीन पर दावा ठोकने पर दलित बस्तियों पर हमले, आगजनी और उनके घरों को फूंकने की सामूहिक हिंसा तमिलनाडु व बिहार के कई ऐतिहासिक मामले में देखी गई है। सवर्णों की बात न मानने या उनके खिलाफ पुलिस केस दर्ज करने पर पूरी दलित बस्ती का सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है। इस तरह के तमाम हालात इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये पर्याप्त हैं कि हमारे देश में दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं।

राजधानी दिल्ली तक में असुरक्षित महिलायें

—सुनील कुमार महला—

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार इस घटना के आरोपी बस चालक और कंडक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा बस को भी जब्त कर लिया गया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में महिलाएं और बालिकाएं कितनी सुरक्षित हैं? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिस बस में यह हैवानियत हुई, वह करीब 47 किलोमीटर तक चलती रही, लेकिन इस दौरान न तो बस को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया और न ही किसी स्तर पर ऐसी कोई निगरानी सामने आई, जिससे इस अपराध को समय रहते रोका जा सकता।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी बस चालक और कंडक्टर दोनों ही कानपुर के रहने वाले हैं, जबकि पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और कक्षा 11वीं की छात्रा है। घटना 4 अगस्त की रात की बताई जा रही है, जो अब सामने आई है। बताया जाता है कि छात्रा किसी बात को लेकर अपने परिजनों से नाराज होकर बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। बारिश और अंधेरे के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक खाली स्लीपर बस को देखकर उसने रुकने का इशारा किया। चालक ने बस रोककर उसे उसमें बैठा लिया। आरोप है कि इसके बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, चालक और कंडक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बस में पर्दे लगे हुए थे और कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। सवाल यह है कि करीब 47 किलोमीटर के लंबे सफर के दौरान बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यह जघन्य अपराध होता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतने लंबे रास्ते में बस किसी चेकपोस्ट या निगरानी बिंदु पर क्यों नहीं रोकी गई? यदि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होते, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय होते और बसों की नियमित जांच की जाती, तो संभव है कि इस घटना को समय रहते रोका जा सकता था।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून–व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है।

पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में व्यापक बदलाव किए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के माध्यम से बलात्कार से संबंधित कानूनी प्रावधानों को अधिक कठोर बनाया गया तथा यौन उत्पीड़न, पीछा करना (स्टॉकिंग), ताक–झांक (वॉयरिज्म), तेजाब हमला और महिला को निर्वस्त्र करने जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाया गया। गंभीर परिस्थितियों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया। बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गईं।

लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का त्वरित और निश्चित परिणाम दिखाई दे। यदि अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि वह निगरानी व्यवस्था को आसानी से चकमा दे सकता है, तो कठोर कानून का भय भी कमजोर पड़ जाता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर चिंता पैदा करते रहे हैं। विशेष रूप से वर्ष 2013 के बाद के वर्षों में बलात्कार के मामलों का आंकड़ा इस समस्या की गंभीरता की ओर संकेत करता है। ऐसे में 4 अगस्त की रात हुई यह घटना केंद्र सरकार से लेकर दिल्ली प्रशासन और पुलिस की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है।

दरअसल, महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस, कानून या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, प्रशासन और स्वयं महिलाओं, या यूं कहें कि ये हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्रभावी और सक्रिय सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित एवं विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन तथा त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करना बहुत ही जरूरी व आवश्यक है। इसके अलावा बसों में लगे सीसीटीवी और जीपीएस की नियमित निगरानी होनी चाहिए तथा खराब उपकरणों को तत्काल दुरुस्त कराया जाना चाहिए। निजी बसों के चालकों और परिचालकों का सत्यापन, नियमित निगरानी और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इतना ही नहीं, महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, हेल्पलाइन तथा अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। परिवारों में बेटियों को डर और प्रतिबंधों में रखने के बजाय बेटों को सम्मान, समानता और संवेदनशीलता की शिक्षा देना कहीं अधिक जरूरी है। विद्यालयों में भी लैंगिक संवेदनशीलता और सुरक्षित व्यवहार को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न के विरुद्ध प्रभावी शिकायत व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें अपराध होने के बाद कार्रवाई करने की संस्कृति से आगे बढ़कर अपराध को रोकने की संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। छेड़छाड़ को छोटी बात समझकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वास्तव में, पीड़िता को दोषी ठहराने के बजाय उसे न्याय और सहयोग मिलना चाहिए तथा अपराधी को कानून का त्वरित और निष्पक्ष भय महसूस होना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में एक अकेली महिला या बालिका को यह भरोसा होना चाहिए कि उसके आसपास की व्यवस्था उसकी सुरक्षा के लिए सजग है।

आखिरकार, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां उसकी महिलाएं और बेटियां कितनी सुरक्षित हैं। दिल्ली की इस घटना को केवल एक आपराधिक वारदात मानकर भूल जाना पर्याप्त नहीं होगा।

यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था की उन कमजोर कड़ियों को पहचानने और उन्हें दूर करने का अवसर भी है, जिनका लाभ अपराधी उठाते हैं। कानून की कठोरता जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है उसका ईमानदार और प्रभावी क्रियान्वयन। जब कानून का भय, प्रशासन की सतर्कता, समाज की संवेदनशीलता और परिवार की जिम्मेदारी एक साथ काम करेंगे, तभी महिलाओं की सुरक्षा कागजों और दावों से निकलकर सड़क, बस, घर, कार्यस्थल और डिजिटल दुनिया–हर जगह वास्तविकता बन सकेगी।

चेतना के प्रकट होने का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

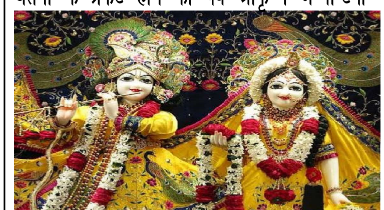

—डॉ घनश्याम बादल—

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, उस चेतना के प्रकट होने का पर्व है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर, मोह से विवेक की ओर और स्वार्थ से सत्य की ओर ले जाती है। कृष्ण का कारागार में जन्म भी गहरा प्रतीक है। जब मनुष्य का विवेक भय, मोह, लोभ, अहंकार और स्वार्थ की बेड़ियों में कैद हो जाता है, तब उसके भीतर कृष्ण–चेतना का जन्म आवश्यक हो जाता है। कृष्ण को केवल ऐतिहासिक व्यक्तित्व, राजा, कूटनीतिज्ञ या देवता के रूप में देखना उनके विराट स्वरूप की अवहेलना होगी। कृष्ण उस परम चेतना के प्रतीक हैं, जो जीवन के प्रत्येक द्वंद्व में मनुष्य का मार्गदर्शन करती है। इस दृष्टि से महाभारत केवल कौरवों और पांडवों का युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले धर्म और अधर्म, विवेक और अविवेक तथा सत्य और मोह के संघर्ष का भी विराट आख्यान है।

महाभारत को यदि संसार का दर्पण माना जाए तो उसमें दिखाई देने वाला कुरुक्षेत्र वस्तुतः हमारा अपना जीवन है। धृतराष्ट्र का अंधत्व केवल आंखों का अंधत्व नहीं, पुत्रमोह और सत्ता–मोह का प्रतीक है। दुर्योधन अहंकार और अधिकार की अंधी भूख का प्रतिनिधि है। शकुनि छल और षड्यंत्र की प्रवृत्ति का प्रतीक है।

अर्जुन क्या है?अर्जुन स्वयं संसार है। वह सामर्थ्यवान, लेकिन संशयग्रस्त है। उसके पास शस्त्र हैं, परंतु निर्णय का साहस नहीं। वह कर्तव्य जानता है, लेकिन मोह उसे रोक देता है। अपने ही संबंधों, भावनाओं और आशंकाओं के बीच खड़ा अर्जुन उस सामान्य मनुष्य का प्रतीक है जो जीवन के कठिन मोड़ पर पूछता है क्या करूं? किसे सही मानूं? मेरा धर्म क्या है? तब उसके सामने कृष्ण खड़े होते हैं। कृष्ण सारथी अर्थात मार्ग दिखाने वाले हैं। वे अर्जुन का जीवन अपने हाथ में नहीं लेते, बल्कि उसे दिशा देते हैं। यही कृष्ण का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संदेश है परमात्मा मनुष्य की यात्रा अपने हाथ में नहीं लेता, वह उसे सही दिशा में चलने का विवेक देता है।

कुरुक्षेत्र में कृष्ण का सबसे बड़ा चमत्कार अस्त्र चलाना नहीं, बल्कि अर्जुन के भीतर सोए विवेक को जगाना है। अर्जुन युद्धभूमि से भागना चाहता है। कृष्ण उसे युद्ध के लिए उकसाते नहीं, बल्कि कर्म, आत्मा, कर्तव्य, मोह, ज्ञान और निष्कामता का अर्थ समझाते हैं। गीता इसी संवाद का नाम है। इसलिए गीता को केवल युद्ध का उपदेश मानना उसके संदेश को छोटा कर देना होगा। गीता वास्तव में मनुष्य के भीतर के अंधकार से संवाद है।

कृष्ण आत्मा की अमरता का बोध कराते हैं। वे कर्म का महत्व बताते हैं, लेकिन कर्मफल के मोह से मुक्त होने की प्रेरणा भी देते हैं। वे ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं, भक्ति का मार्ग बताते हैं और अंततः मनुष्य को अपने विवेक से निर्णय लेने की स्वतंत्रता देते हैं। इसीलिए गीता केवल अर्जुन के लिए नहीं थी। अर्जुन के माध्यम से कृष्ण संसार की आत्मा को जगा रहे थे।

महाभारत भी इसी सत्य की ओर संकेत करता है। वह केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि सांसारिक विकारों के चरम परिणाम का प्रतीक है।जहां लोभ है, वहां संघर्ष है।जहां अहंकार है, वहां विनाश है। जहां मोह विवेक पर भारी पड़ता है, वहां निर्णय भ्रष्ट होते हैं। जहां सत्ता धर्म से बड़ी हो जाती है, वहां कुरुक्षेत्र जन्म लेता है। महाभारत इसलिए हुआ क्योंकि मनुष्य के भीतर के विकार सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था पर हावी हो गए थे। द्यूत, छल, अपमान, अधिकार की लालसा, प्रतिशोध और सत्ता की भूख ने ऐसे संघर्ष को जन्म दिया जिसमें अंततः पूरा समाज दहक उठा।

आज प्रश्न यह नहीं है कि कुरुक्षेत्र कहां था। प्रश्न यह है कि हमारा कुरुक्षेत्र कहां है?आज भी मनुष्य के सामने वही अर्जुन–सदृश प्रश्न खड़े हैं। परिवार में संबंध और स्वार्थ का संघर्ष है। राजनीति में सत्ता और सेवा का संघर्ष है। व्यापार में लाभ और नैतिकता का संघर्ष है। डिजिटल संसार में सूचना और भ्रम का संघर्ष है। मनुष्य के भीतर सुख की आकांक्षा और मानसिक अशांति का संघर्ष है। ऐसे में कृष्ण की आवश्यकता पहले से अधिक है।

जफर अमीन डक्कू के गिरफ्तारी पर सपा जिलाध्यक्ष ने रात की छापेमारी पर उठाए सवाल, कहा– पुलिस का रवैया गलत

संवाददाता–गोरखपुर। सपा नेता जफर अमीन डक्कू की गिरफ्तारी के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। बुधवार की सुबह से ही राजघाट थाने पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंचे और जफर अमीन डक्कू से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। करीब 50 से अधिक सपा नेता और कार्यकर्ता राजघाट थाने पहुंचे। इस दौरान पार्टी नेताओं ने गिरफ्तारी और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई।

सपा जिला अध्यक्ष ब्रजेश गौतम ने दैनिक भास्कर से बातचीत में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना अलग बात है, लेकिन पुलिस को रात में ही दबिश देकर गिरफ्तारी करने की इतनी जल्दी क्यों थी। उन्होंने कहा कि जफर अमीन डक्कू कोई आतंकवादी नहीं हैं। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि रात करीब 2 से ढाई बजे तक घर में कूलर, फ्रिज और अलमारी तक की तलाशी ली गई। पुलिस को इसी तरह अपराधियों को भी तलाशना चाहिए। सपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि जफर अमीन डक्कू के साथ सपा महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी मलबा हटवाने के लिए गए थे। वहां जफर अमीन डक्कू के प्रतिद्वंद्वी की ओर से इसका विरोध किया गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि इसी विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसी मामले को लेकर जफर अमीन डक्कू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि अगर किसी ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्हें कानून के मुताबिक कार्रवाई किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वह भी न्यायसंगत कार्रवाई के पक्ष में हैं। जो दोषी होगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर पुलिस धारा 151 के तहत कार्रवाई करती है तो यह कार्रवाई दोनों पक्षों के खिलाफ होनी चाहिए।

सपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने राजघाट थाने में जफर अमीन डक्कू से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने डक्कू से कहा कि उनके पास इस मामले से जुड़े जो भी कानूनी दस्तावेज हैं, उन्हें उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जानकारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी दी जाएगी। पार्टी स्तर पर भी मामले को समझने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जफर अमीन डक्कू से मिलने राजघाट थाने पहुंचे नेताओं में जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र निषाद, अरविंद दत्त शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष आशुतोष गुप्ता, कपिल मुनि यादव, मनोरंजन यादव, सुनील सिंह, गबिश दुबे, चर्चिल अधिकारी, डॉ. मोहसिन खान, मिर्जा कदीर बेग, अली हुसैन उर्फ मैना भाई, नवीन यादव और महेंद्र यादव समेत 50 से अधिक समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

गोरखपुर में जमीन कब्जा और मारपीट के आरोप में मंगलवार को सपा नेता जफर अमीन डक्कू, महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी समेत 10 के खिलाफ एफआईआर लिखी गई थी। इस मामले में देर रात 12 से भोर में 4 बजे तक पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान घरों की तलाशी ले रही पुलिस कूलर, फ्रीज, अलमारी भी खुलवाकर सपा नेताओं को ढूंढने का प्रयास किया। रात करीब 1 बजे राजघाट और कोतवाली पुलिस टीम महानगर अक्ष्यक्ष को ढूंढते हुए इस्माइलपुर स्थित घर पहुंची। पुलिस टीम के साथ महिला पुलिस कर्मी भी थीं। करीब एक घंटे तक घर के हर कमरे और छत पर तलाशी चलती रही। लेकिन महानगर अध्यक्ष का कहीं पता नहीं चला। परिवार का आरोप है कि पुलिस टीम ने छत पर पानी की टंकी, अलमारी, फ्रीज और कूलर खुलवाकर भी तलाशी ली। छापेमारी का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस दौरान पुलिस ने कई बार सपा महानगर अध्यक्ष के मोबाइल पर परिवार वालों से फोन भी करवाया। लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस टीम कई गाड़ियों से रात करीब 2 बजे सपा नेता जफर अमीन डक्कू के घर भी पहुंची थी। छापेमारी के दौरान वह घर पर ही मिले। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि देर रात छापेमारी में पुलिस ने सपा नेता समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया है। थाने लाकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

राजघाट थाना क्षेत्र के खोखर टोला में रहने वाली जफर अमीन डक्कू को गोरखपुर में सपा नेता आजम खान का सबसे खास माना जाता है। सपा सरकार में मंत्री रहते हुए कई बार आजम खान डक्कू के घर भी आ चुके हैं। गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा से जफर अमीन डक्कू दो बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। पहली बार 1991 में शहरी सीट से विधानसभा चुनाव लड़े। दूसरी बार 2012 में सपा के टिकट पर गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा से चुनाव लड़े थे। यहां से 41 हजार 864 वोट मिला था। 16 हजार 985 वोटों के अंतर से वो चुनाव हार गए थे। बीजेपी के कंडिडेट विजय बहादुर यादव ने जीत दर्ज की थी। राजघाट थाना क्षेत्र के खोखरटोला में डीह की जमीन के एक टुकड़े पर कब्जे को लेकर मंगलवार को विवाद हो गया। आरोप है कि सपा नेता जफर अमीन डक्कू अपने समर्थकों और शहर सपा अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी के साथ मौके पर पहुंचे और जमीन पर लगे टीनशेड व पाइप हटाने लगे। महिलाओं के विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी और नोकझोंक हो गई। मामले में खोखरटोला निवासी शहाना खातून की तहरीर पर देर रात राजघाट पुलिस ने सपा नेता जफर अमीन डक्कू, शहर सपा अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी समेत अन्य के खिलाफ जमीन पर कब्जे का प्रयास, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है। शहाना खातून ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह खोखरटोला स्थित एक मकान पर करीब 70 वर्षों से काबिज हैं। उनका दावा है कि मकान डीह की आराजी संख्या 91 की जमीन पर बना है। तहरीर के मुताबिक, उक्त जमीन पूर्व जमींदार वल्लभदास की थी, जिन्होंने उनके पूर्वजों को रहने के लिए मकान बनाने के लिए दी थी। महिला का आरोप है कि वर्ष 2023 में सपा नेता जफर अमीन डक्कू ने उनके मकान के आधे हिस्से पर कब्जा कर लिया था। अब मंगलवार को डक्कू, शब्बीर कुरैशी और उनके समर्थक दोबारा मौके पर पहुंचे और बचे हुए हिस्से पर भी कब्जा करने का प्रयास करने लगे। महिला के मुताबिक, उसने इसका विरोध करते हुए जमीन को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन होने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद उसके साथ गाली–गलौज और मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। आसपास के लोगों के हस्तक्षेप के बाद महिला को बचाया जा सका। शहाना ने तहरीर देकर अपनी जान को खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। विवाद के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। राजघाट पुलिस ने विवादित स्थल पर दो सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए, जिससे जमीन पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी की जा सके और दोबारा किसी तरह के कब्जे या विवाद की स्थिति न बने। राजस्व विभाग को जमीन के अभिलेखों और दोनों पक्षों के दावों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जमीन के वास्तविक स्वामित्व और स्थिति का निर्धारण राजस्व अभिलेखों और संबंधित दस्तावेजों की जांच के बाद होगा। पुलिस को मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

राम मंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, ट्रस्ट के तीन नए सदस्य भी घोषित

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) को लेकर निर्णय हो गया है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ट्रस्ट के सीईओ चुने गए हैं। बुधवार को अयोध्या की मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपालदास की अध्यक्षता में हुई ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ ही आमंत्रित सदस्य भी मौजूद रहे। वहीं, ट्रस्ट की बैठक में तीन नए सदस्यों की भी घोषणा की गई है। नए शामिल होने वाले सदस्यों में मदन मोहन पांडेय अयोध्या के, महेश भागचंदका दिल्ली के और निर्मला यादव अयोध्या से हैं। ट्रस्ट ने एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। भारतीय वायुसेना में करीब चार दशक तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके मिश्रा अब राम मंदिर की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था को नई दिशा देंगे।

एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और 3,000 घंटे से ज्यादा का उड़ान अनुभव हासिल किया। कमांडिंग–इन–चीफ के पद पर भी रहे हैं। इसके अलावा एकीकृत रक्षा स्टाफ में उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। देश के साथ अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मिश्रा के पास बड़े संगठन के संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव है।

राम मंदिर के सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मंदिर अब निर्माण के चरण से आगे बढ़कर व्यवस्थित संचालन और वैश्विक धार्मिक–पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था, कर्मचारी प्रबंधन, सुविधाओं का विस्तार और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय जैसी जिम्मेदारियां सीईओ के सामने होंगी। ऐसे में सैन्य सेवा से आए मिश्रा के अनुशासन, नेतृत्व, बड़े संस्थान के प्रबंधन और समन्वय के अनुभव को ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवरिया के छोटे से गांव भोपतपुरा से भारतीय वायुसेना के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे मिश्रा का अब अयोध्या के राम मंदिर के पहले सीईओ के रूप में नया अध्याय शुरू हुआ है। जीतेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र स्थित भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने छह दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने लंबे और गौरवपूर्ण सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और 3,000 घंटे से ज्यादा का उड़ान अनुभव हासिल किया।

एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा भारतीय वायुसेना में कमांडिंग–इन–चीफ जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने एकीकृत रक्षा स्टाफ में उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) की जिम्मेदारी भी संभाली। भारत के साथ–साथ अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके मिश्रा को बड़े संगठनों के संचालन, नेतृत्व और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का व्यापक अनुभव है। राम मंदिर के पहले सीईओ के रूप में मिश्रा की नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब मंदिर निर्माण के चरण से आगे बढ़कर व्यवस्थित संचालन और व्यापक धार्मिक–पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, कर्मचारी प्रबंधन, श्रद्धालु सुविधाओं का विस्तार और विभिन्न विभागों व एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जैसी चुनौतियां महत्वपूर्ण होंगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0– 477/2025

अन्तर्गत धारा 9A (2) सी0एच0एक्ट

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

हेमन्त त्रिपाठी आदि

बनाम

प्रहलाद आदि

1 प्रहलाद पुत्र हर गोविन्द साकिन–महुआर तप्पा रूधौली, परगना–मगहर पश्चिम, तहसील रूधौली, जिला–बस्ती।

– उत्तरवादी प्रथम वर्ग

2. श्रीमती कादम्बनी पत्नी कमलेश कुमार पाठक 3. कमलेश कुमार पाठक पुत्र हनुमान प्रसाद निवासीगण सेमरा, तप्पा–रुधौली, परगना मगहर पश्चिम, तहसील–रुधौली, जिला–बस्ती

–उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

4. ओम प्रकाश पुत्र हरिवंश 5. श्रीमती आशा देवी पत्नी कृष्ण चन्द्र 6. आशुतोष 7 परितोष पुत्रगण कृष्ण चन्द्र 8. अंजनी कुमार 9 जय प्रकाश पुत्रगण हरिवंश 10. श्रीमती शकुन्तला पत्नी कृष्ण मुरारी 11. सन्तोष कुमार 12. दिनेश कुमार पुत्रगण कृष्ण मुरारी निवासीगण ग्राम–नेवास, तप्पा औरंगाबाद, परगना हसनपुर मगहर, तहसील–सहजनवा, जिला–गोरखपुर

– उत्तरवादीगण तृतीय वर्ग

13. विपिन कुमार मिश्रा पुत्र त्रियुगीनाथ मिश्रा 14. श्रीमती सुजाता पत्नी मुक्तिनाथ 15. श्रीमती जानकी पत्नी आलोक कुमार मिश्रा 16. श्रीमती प्रमिला पत्नी आशीष कुमार निवासीगण ग्राम–भरवलिया कला, तप्पा–घोसियारी, तहसील बांसी, जिला–सिद्धार्थनगर 17. राजेश कुमार पाठक पुत्र हनुमान प्रसाद पाठक 18. रमेश पाठक पुत्र हनुमान प्रसाद पाठक 19. अखिलेश कुमार पाठक पुत्र हनुमान प्रसाद पाठक निवासीगण ग्राम सेमरा, तप्पा–रुधौली, पगरना–मगहर पश्चिम, तहसील–रुधौली, जिला–बस्ती 20. राकेश कुमार त्रिपाठी पुत्र सत्यदेव त्रिपाठी साकिन–तिघरा, तप्पा–उमरा, परगना–बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 21. रामतेज पुत्र सिद्धू साकिन–नगहरा, तप्पा–बांसखोर, परगना बस्ती पूरब, तहसील–रुधौली, जिला–बस्ती 22. श्रीमती मंजू शुक्ला पत्नी योगेन्द्र कुमार शुक्ला साकिन– 39 मानस गार्डन, न्यू गोमती नगर लखनऊ 23. दशरथ यादव पुत्र राम चरन साकिन–धमौरा, तप्पा–घोसियारी, जिला–सिद्धार्थनगर 24. श्रीमती किरन शुक्ला पत्नी अनिल कुमार शुक्ला साकिन–बस्ती नाथू, तप्पा–छपिया, परगना–रसूलपुर, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 25. श्रीमती विमलावती पत्नी ओंकार यादव साकिन–पिपरा कला, 26. सन्तोष कुमार पुत्र रामतेज साकिन–जोधीजोत 27 राम कुमार पुत्र केदार 28. श्रीमती गायत्री पत्नी जंगीलाल साकिनान–रूधौली कला, तप्पा–रुधौली, पगरना–मगहर पश्चिम, तहसील–रुधौली, जिला–बस्ती।

– उत्तरवादीगण चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 16–09–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 01 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अपील सं0–

सीताराम

बनाम

हरिराम आदि

1. हरिराम उम्र 65 वर्ष 2. श्रीराम उम्र 62 साल पुत्रगण मंगरू निवासीगण ग्राम विजयपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. राज्य सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 02 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– T20261714031316/2026

धारा 144 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम बस्ती जिला–बस्ती

अब्दुल्लाह आदि

बनाम

श्रीमती अजमेरूनिशा आदि

साकिन पकरी नासिर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

1. श्रीमती अजमेरूनिशा पत्नी अब्दुल वफा साकिन पकरी नासिर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. हफीजुल्लाह पुत्र रजामुहम्मद साकिन पकरी नासिर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. गांव सभा जरिये प्रधान साकिन पकरी नासिर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 11–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। – द0 हाकिम

हलषष्ठी पर माताओं ने संतान की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि के लिए रखा निर्जल व्रत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बुधवार को हलषष्ठी (ललही छठ) का पर्व श्रद्धा और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया गया। भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर माताओं ने अपनी संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि के लिए निर्जल व्रत रखा। खलीलाबाद के समय माता मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर गोला बाजार और काली मंदिर विधियानी में खास पूजा कार्यक्रम हुए।

इस दौरान महिलाओं ने अलग–अलग जगहों पर समूह में पहुंचकर कुश की पूजा की। उन्होंने कुश के पत्तों में अटूट गांठ बांधकर माता तृण षष्ठी देवी का पूजन किया। सुबह से ही महिलाएं पूजा सामग्री और थाली लेकर कुश पूजा स्थलों की ओर जाती दिखीं।

व्रत रखने वाली महिलाओं ने बिना हल से जुते खेत में उगे साग और पर्व से जुड़ी पूजन सामग्री का इस्तेमाल किया। पूजा स्थलों पर विधि–विधान से पूजा करने के बाद महिलाओं ने एक–दूसरे को हलषष्ठी की पौराणिक कथाएं सुनाईं। कई जगहों पर पूजा स्थल महिलाओं के पारंपरिक गीतों से गूंजते रहे। पूजा के बाद घर पहुंचकर महिलाओं ने परिवार के सदस्यों को महुआ, दही और तिन्नी के चावल का प्रसाद बांटा। कई जगहों पर माताओं के साथ बेटियां भी पूजा की थाली लेकर पहुंचीं और इस पर्व में हिस्सा लिया।

शनिचरा बाजार, उमरिया, बैड़ारी, मुठहीकला, बंडा बाजार, सिरसी, नाथनगर, महुली, मुकुंदपुर और अलीनगर समेत कई जगहों पर महिलाओं ने परंपरागत तरीके से कुश पूजन किया। इन पूजा स्थलों पर दिनभर श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ लगी रही। मेंहदावल, सांथा, बेलहर और नंदौर क्षेत्र में भी कुश पूजा को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। खलीलाबाद में मिल चौराहा के पास, पश्चिमी छोर रेलवे लाइन के किनारे, समय माता स्थान, मड़या, काली मंदिर और बरदहिया समेत कई जगहों पर महिलाओं ने कुश की पूजा की। बघौली, पिपराबोरिंग मार्ग, दुर्गजोत–रुधौली मार्ग, बस्ती मार्ग, बौरव्याय और नाथनगर–कोदवट मार्ग पर भी सड़क किनारे महिलाओं ने समूह में पूजा–अर्चना की। मगहर में कबीर चौरा मठ के पास और कस्बों व गांवों में भी हलषष्ठी पर्व पर कुश पूजन हुआ।

घर लौटीं बकरियां, गायब रहा सोनू अगले दिन तालाब में मिली लाश

संवाददाता–गोरखपुर। बकरी चराने के लिए निकले युवक का शव तालाब में उतराता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पहचान की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह घटना चिलुआताल थाना क्षेत्र के चिउटहा गांव का है। युवक की मौत डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मृतक की पहचान चिउटहा निवासी सोनू कुमार पुत्र रामअचल के रूप में हुई। पिता रामअचल के अनुसार सोनू मंगलवार दोपहर बकरी चराने के लिए निकला था। कुछ समय बाद बकरियां घर पहुंच गई, लेकिन सोनू का पता नहीं चला। खोजबीन करने के बाद देर शाम उसका कपड़ा और चप्पल तालाब किनारे मिला। डूबने की आशंका में तालाब में खोजबीन की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस भी उसकी तलाश में जुटी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी बीच बुधवार सुबह 10 बजे ग्रामीणों ने पानी में शव उतराता देख पुलिस को सूचना दी। फिर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला।

ग्रामीणों के अनुसार सोनू मानसिक रूप से कुछ अस्वस्थ रहता था। सोनू दो भाइयों में छोटा था। बड़ा भाई सुदर्शन विवाहित है। उसकी तीन बहनें हैं, जिनमें बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि दो बहनें पढ़ाई कर रही हैं। मां इंद्रावती देवी गृहिणी हैं। सोनू की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष सूरज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जीडीए की जर्जर संपत्तियों का एनबीसीसी करेगा पुनर्विकास

संवाददाता–गोरखपुर। राजीव दत्त पाण्डेय गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की वर्षों पुरानी और जर्जर संपत्तियों के दिन अब बहुरने की उम्मीद है। राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एनबीसीसी) लिमिटेड के माध्यम से इन संपत्तियों का शून्य वित्तीय भार (जीरो फाइनेंशियल बर्डन) मॉडल पर पुनर्विकास कराएगा। जीडीए बोर्ड ने प्रस्ताव को सैद्धांतिक सहमति देते हुए विस्तृत विश्लेषण कर आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक योजनाओं में दशकों पहले बनाए गए कई भवन और दुकानें वर्तमान में जर्जर हो चुकी हैं। इनमें बुद्ध विहार पार्ट–सी के वर्ष 2004 में निर्मित 54 ईडब्ल्यूएस भवन, शास्त्रीपुरम शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 50 दुकानें, सिद्धार्थपुरम शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 80 दुकानें और वर्ष 2003 में बने बहुउद्देशीय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 62 दुकानें शामिल हैं। बुद्ध विहार पार्ट–सी के सभी 54 भवन वर्तमान में खाली हैं और जर्जर होकर कई जगह टूट चुके हैं। शास्त्रीपुरम में 50 में से 07 दुकानें आवंटित हैं, जबकि 43 खाली हैं। सिद्धार्थपुरम की 80 दुकानों में 68 आवंटित और 12 खाली हैं। बहुउद्देशीय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बाइपास रोड की 62 दुकानों में 59 आवंटित और 03 खाली हैं। भवन के प्रथम और द्वितीय तल पर वाणिज्य कर विभाग का कार्यालय भी है, जो पिछले वर्ष आगजनी में क्षतिग्रस्त हुआ था। इसका स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाना है। एनबीसीसी सर्वे, डिजाइन, निर्माण और विपणन की पूरी लागत आधुनिक एफएआर के इस्तेमाल से निर्मित अतिरिक्त क्षेत्र के मुद्रीकरण से जुटाएगा। पुनर्विकसित परिसर में पुराने आवंटियों को समायोजित करने के बाद एक निर्धारित हिस्सा जीडीए को मिलेगा। शेष निर्मित क्षेत्र को एनबीसीसी खुले बाजार में बेचकर लागत और विकास शुल्क की भरपाई करेगा। पुनर्विकास पुराने आवंटियों की सहमति के बाद किया जाएगा। जीडीए को स्थल अतिक्रमण मुक्त कर एनबीसीसी को उपलब्ध कराने के साथ जरूरी प्रशासनिक और नियोजन अनुमतियां उपलब्ध कराने तथा वर्तमान आवंटियों के पुनर्वास के लिए दिशा–निर्देश तय करने होंगे। यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति–2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएगी।

हाईवे पर दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत, 2 की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मधुबेनिया चौराहे के पास बढ़या गांव के सामने हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दोनों बाइकों पर सवार महिला और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर ले जाया गया, जहां महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एक मोटरसाइकिल नेपाली थी, जिस पर चालक के अलावा एक अन्य युवक सवार था। दूसरी भारतीय बाइक पर चालक संजय के साथ उनकी पत्नी सुशीला और एक करीब 12 वर्षीय बच्चा सवार था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नेपाली बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान दोनों मोटरसाइकिलें आमने–सामने आ गईं और जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक चालक सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। नेपाली बाइक पर पीछे बैठे युवक के अलावा भारतीय बाइक पर सवार सुशीला और बच्चा भी गंभीर रूप से घायल हुए।

मृतक भारतीय बाइक चालक की पहचान मोहाना थाना क्षेत्र के खलीलपुर टोला जगदीशपुर निवासी संजय (45) के रूप में हुई है। बताया गया कि संजय अपनी पत्नी सुशीला (40) के साथ न्यायालय में किसी मुकदमे की तारीख देखने जा रहे थे। हादसे में घायल सुशीला को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरी नेपाली मोटरसाइकिल के चालक की भी हादसे में मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। नेपाली बाइक चालक और घायल युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। हादसा इतना भीषण था कि दोनों मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। टक्कर के बाद बाइक के पुर्जे सड़क पर दूर–दूर तक बिखर गए। मौके पर खून के निशान और घायलों व मृतकों के जूते समेत अन्य सामान भी पड़ा मिला। हादसे के बाद हाईवे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को मैजिक वाहन से सदर कोतवाली भिजवाया। पुलिस दोनों मृतकों की पहचान कराने के साथ ही हादसे की जांच में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया है, हालांकि दुर्घटना की वास्तविक वजह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com

दही बेचकर लौट रहे बुजुर्ग को वाहन ने रौंदा, मौत

संवाददाता—महराजगंज। ठूठीबारी के ठूठीबारी—निचलौल मार्ग पर चंदन नदी पुल के समीप बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्ग दही बेचकर लौट रहे थे। इसी दौरान किसी ने उनको जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे घटनास्थल पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख—पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे में शामिल वाहन की तलाश शुरू कर दी गई हैृ

ठूठीबारी के भरवलिया बड़का टोला निवासी बुद्धिराम साहनी (65) रोज की तरह बुधवार को दही बेचने के लिए ठूठीबारी आए थे। दही बेचने के बाद वह अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान चंदन नदी पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा—तफरी मच गई। आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। प्रभारी कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है और मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म के फरार आरोपी के घर नोटिस चस्पा, कोर्ट के आदेश पर ढोल बजाकर दी पेश होने की सूचना

संवाददाता—महराजगंज। पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी के मामले में फरार चल रहे आरोपी के घर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर नोटिस चस्पा किया। पुलिस टीम ने आरोपी के सिंघपुर थरौली स्थित मकान के दरवाजे पर कोर्ट के आदेश की प्रति और नोटिस लगाया। इस दौरान ग्रामीणों के सामने ढोल बजाकर आरोपी को न्यायालय में पेश होने की सार्वजनिक सूचना भी दी गई।

पुलिस के अनुसार, पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़िला की एक महिला ने सिंघपुर थरौली निवासी विशाल यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने आरोपी पर दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 104ध2026 दर्ज किया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ धारा 64(1) और 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि विशाल यादव लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बच रहा था।

आरोपी के लगातार फरार रहने के बाद पुलिस ने न्यायालय से आवश्यक आदेश प्राप्त किए। महराजगंज के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई की गई। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी के घर पर न्यायालय का आदेश लेकर पहुंची। पुलिस टीम 28 अगस्त को आरोपी विशाल यादव के घर सिंघपुर थरौली पहुंची। टीम ने न्यायालय के आदेश की प्रति और नोटिस मकान के दरवाजे पर चस्पा किया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों को भी न्यायालय के आदेश और की जा रही कार्रवाई के बारे में जानकारी दी गई। न्यायालय की उद्घोषणा की कार्रवाई के तहत पुलिस ने ढोल बजाकर सार्वजनिक रूप से आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश होने की सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों के सामने स्पष्ट किया कि आरोपी को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत कोर्ट में उपस्थित होना होगा।

इस कार्रवाई में आईजीआरएस सेल प्रभारी मनोज कुमार राय, पुरन्दरपुर थाने के उपनिरीक्षक देवेश कुमार सिंह समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि यदि आरोपी फरार रहता है तो न्यायालय के आदेश के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगी।

शिक्षा बचाओ जन आंदोलन को लेकर गोंडा में प्रदर्शन, मोमबत्ती जलाकर युवाओं ने जताया विरोध

संवाददाता—गोण्डा। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं ने शशिक्षा बचाओ जन आंदोलनश के समर्थन में आज बुधवार देर शाम 4 बजे गांधी पार्क में अनोखा प्रदर्शन किया। यह आंदोलन 8 सितंबर को होना है। कार्यकर्ताओं ने दिन के समय और बारिश के बीच मोमबत्ती जलाकर पैदल मार्च किया। इस प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बताया कि वर्तमान में शिक्षा व्यवस्था अंधकार की ओर जा रही है। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों और छात्रों से अपील की कि वे 8 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हों। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के अमित तिवारी ने कहा कि आज शिक्षा उस अंधकार में पहुंच चुकी है। जहां से इसे वापस उजाले में लाने की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसी व्यवस्था के विरोध में उन्होंने दिनदहाड़े और बारिश के बीच मोमबत्ती जलाकर यह अनोखा विरोध जताया है। तिवारी ने सभी से उम्मीद जताई कि वे 8 सितंबर को गांधी पार्क, गोंडा पहुंचकर इस आंदोलन को मजबूत करें। कार्यक्रम के संयोजक रंजीत पांडे ने बताया कि संगठन जनता को अलग—अलग तरीकों से जागरूक करने की लगातार कोशिश कर रहा है। पांडे ने कहा कि हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि शिक्षा उनके भविष्य के लिए कितनी जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि गोंडा के छात्र और जागरूक नागरिक इस आंदोलन से जुड़कर शिक्षा के अधिकार को सुरक्षित करने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने बताया कि शशिक्षा बचाओ जन आंदोलनश में सभी लोगों से सहयोग मांगा गया है और अलग—अलग तरीके से लोग समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे 15—20 हजार युवाओं को इकट्ठा करने का काम कर रहे हैं। पांडे ने आगे कहा कि लोग लंबे समय से प्राइवेट स्कूलों की मनमानी से परेशान हैं। वे बच्चों और उनके अभिभावकों की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में अलग—अलग जगह प्रदर्शन किए गए, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है, इसलिए एक बार फिर आवाज उठाई जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, महराजगंज
जनपद—महराजगंज

स्वच्छ महराजगंज   सुंदर महराजगंज

मा. नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
भारत सरकार

मा. पंकज चौधरी
केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री

मा. जयमंगल कनौजिया
विधायक
सदर महराजगंज

मा. सी.पी. चन्द
एमएलसी

मा. अरविंद कुमार शर्मा
नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री
उ.प्र. सरकार

मा. योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री
उ.प्र. सरकार

नगर पालिका परिषद महराजगंज के समस्त नगरवासियों को
'स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी'
की हार्दिक शुभकामनाएं

—:: अपील ::—

1. कूड़ा पृथक्करण में नगर पालिका के सफाई मित्रों का सहयोग करें और कूड़ा इधर—उधर न फेकें।
2. स्वच्छ सर्वेक्षण में सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर नगर को स्वच्छता रैकिंग में उच्च स्थान दिलाने में सहयोग करें।
3. नगर को कूडा मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करें तथा प्रतिबन्धित पॉलीथिन का उपयोग न करें।
4. नगर पालिका की भूमि, नाला, नाली, पोखरियों पर तथा सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण न करें।
5. डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए अपने आस—पास पानी न जमा होने दें और साफ—सफाई रखें।
6. गीले कचरे से होम कम्पोस्टिंग करके स्वयं खाद बनायें।
7. 04 डस्टबिन हरा—गीला कचरा, नीला—सूखा कचरा, लाल—सैनिटरी वेस्ट, पीला—ई—वेस्ट हेतु उपयोग करें और डोर—टू—डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले सफाई मित्रों को दें।
8. शौचालय का करे उपयोग, दरवाजा बंद तो बीमारी बंद, खुले में शौच को पूरी तरह समाप्त करें।

डॉ. पुष्पलता मंगल
अध्यक्ष
न.पा.प. महराजगंज

सम्मानित सदस्यगण

1. श्री दीपक, 2. श्रीमती सुराती देवी, 3. श्री ब्रज किशोर सिंह, 4. श्रीमती जनिता, 5. श्री जितेन्द्र कुमार, 6. श्री गोरखनाथ 8. श्री राजेन्द्र गौतम, 9. श्री ऋषिकेश, 10. श्रीमती रोहिणी, 11. श्री अजय कुमार गुप्ता, 12. श्रीमती रीनू 13. श्रीमती दुर्गावती, 14. श्री अमितेश कुमार गुप्त, 15. श्री बृजेन्द पटेल, 16. श्रीमती संगीता, 17. श्री राहुल पाण्डेय 18. श्री सदरे आलम, 19. श्री राणा पटेल, 20. श्रीमती रहमतुन निशा, 21. श्री लालजी गुप्ता, 22. श्री सिद्धार्थ नाथ शुक्ल 23. श्री गोरख, 24. श्रीमती प्रमिला, 25. श्रीमती सावित्री।

मनोनीत सम्मानित सदस्यगण

1. श्री मुरारीलाल निगम 2. श्री जगदीश निषाद 3. श्री अभय कुमार जायसवाल 4. श्री राजीव द्विवेदी, 5. श्री मेवा लाल

पत्रांक 1181/न0पा0प0मह0/2026—27   दिनांक 12.08.2026

गंडक नदी का अप स्ट्रीम खतरे के निशान पार

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल के तराई क्षेत्रों एवं स्थानीय स्तर पर हो रही वर्षा के कारण वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से गंडक नदी के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक बुधवार शाम 4 बजे बैराज से डिस्चार्ज बढ़कर 1 लाख 83 हजार 400 क्यूसेक पर पहुंच गया है। बुधवार सुबह 8 बजे की तुलना में डिस्चार्ज में 44 हजार क्यूसेक की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। जलस्तर में इजाफा देख नदी के तटीय इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 8 बजे बैराज से गंडक नदी का डिस्चार्ज 1 लाख 39 हजार 400 क्यूसेक दर्ज किया गया था। शाम 4 बजे डिस्चार्ज बढ़कर 1 लाख 83 हजार 400 क्यूसेक हो गया। जलस्तर बढ़ने से अपस्ट्रीम का जलस्तर 108.11 मीटर से उछलकर 110.34 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के स्तर 109.670 मीटर से ऊपर पहुंच गया है। वहीं डाउनस्ट्रीम का जलस्तर भी 107.35 मीटर से बढ़कर 107.84 मीटर पर पहुंच गया है। गंडक के जलस्तर में उछाल देख अलर्ट मोड पर बाढ़ खंडबाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार जिले में 7 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जिससे जिले में मानसून की कुल वर्षा 662.5 मिमी हो गई है। वहीं बी—गैप क्षेत्र में 2 मिमी बारिश के साथ कुल वर्षा का आंकड़ा 1066.40 मिमी पहुंच गया है। गंडक के जलस्तर एवं डिस्चार्ज में आए उछाल को देखते हुए सिंचाई विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। सिंचाई खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता राजीव कपिल ने बताया कि विभागीय अभियंताओं व कर्मचारियों को 24 घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्थिति नियंत्रण में है।

बीएससी छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता—देवरिया। नगर पंचायत बरियारपुर के वार्ड नंबर एक बनरहा में मंगलवार की रात बीएससी के एक छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कृष्ण कुमार पांडे उर्फ रोहन पांडे(19) पुत्र स्व. श्रीनिवास पांडे बीआरडी पीजी कॉलेज देवरिया में बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र थे। परिजनों के अनुसार कृष्ण कुमार मंगलवार रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। बुधवार सुबह जब परिजन कमरे में पहुंचे तो उनका शव फंदे से लटकता मिला। इसकी जानकारी होते ही घर में चीख—पुकार मच गई। आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए।सूचना पर पहुंची बरियारपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार घटना के कारणों की जांच की जा रही है।कृष्ण कुमार के पिता श्रीनिवास पांडे का पहले ही निधन हो चुका था। घर में उनकी मां रीमा पांडे और बहन श्रेया पांडे रहती हैं। बेटे की मौत से मां रीमा पांडे और बहन श्रेया पांडे का रो—रोकर बुरा हाल है।

घर के बाहर फंदे से लटका मिला वृद्ध का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता—देवरिया। भलुअनी थाना क्षेत्र के बारीपुर मंदिर के निकट बुधवार सुबह करीब सात बजे एक निर्माणाधीन मकान के बीम के सहारे वृद्ध का शव लटका मिला। उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज इस मामले वृद्ध की बहू और रिश्तेदार को हिरासत में लिया है। ग्राम एकडंगा निवासी रामध्यान कुशवाहा 62 पुत्र स्व सूबेदार कुशवाहा मंदिर के निकट मकान का निर्माण करा रहे है। कुछ कमरे तैयार है, जिसमें परिवार के साथ रहते है। उनकी चौराहा पर चाय की दुकान है। मृतक रामध्यान का इकलौता बेटा जितेंद्र कुशवाहा सूरत में नौकरी करता है। घर पर उसकी पत्नी गुड़िया रहती थी। सुबह उनका शव फंदे में लटका देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो बहू भी घर से निकली। उनका शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर छोटे भाई बाबूलाल कुशवाहा और आसपास के लोगों ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पंचनामा में खुदकशी की बात लिखी तो छोटे भाई और आसपास के लोगों ने मामले की जांच और मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर विरोध जताया। विरोध बढ़ता देख पुलिस ने पंचनामा फाड़ दिया और जांच की बात कह लोगों को शांत किया। करीब आधे घंटे तक मौके पर लोगों का विरोध चलता रहा। पुलिस क्षेत्राधिकारी बरहज रंजना सचान ने कहा कि बारीपुर में एक व्यक्ति का शव मिला है। प्रथम दृष्टा मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति क्लियर होगी।

520 किलो पटाखों का भंडार पकड़ा, 2 गिरफ्तार, घनी आबादी में घरों को बना रखा था गोदाम

संवाददाता—बलरामपुर। दीपावली से पहले बलरामपुर पुलिस ने घनी आबादी के बीच अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली नगर पुलिस ने अलग—अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके घरों से कुल 520 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी बिना लाइसेंस घरों में पटाखे जमा कर उनकी बिक्री कर रहे थे।

पुलिस ने बुधवार शाम करीब 4रू30 बजे कार्रवाई की जानकारी दी। दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 288 और विस्फोटक अधिनियम—1884 की धारा 9बी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 1 सितंबर को गश्त और संदिग्ध लोगों की जांच के दौरान अवैध पटाखों के भंडारण की सूचना मिली। चूड़ी मार्केट, टेढ़ी बाजार निवासी सगीर अहमद उर्फ मुसई के मकान में पटाखे रखकर बिक्री किए जाने की जानकारी पर पुलिस टीम ने छापा मारा। मौके से सगीर अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके मकान से छह बोरियों में करीब 120 किलोग्राम अलग—अलग कंपनियों के पटाखे बरामद हुए।

इसी दौरान पुलिस को गोविंदबाग निवासी मो. रईस के घर में भी अवैध पटाखे रखे होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने गुड़ मंडी, गोविंदबाग में छापेमारी कर रईस को गिरफ्तार किया। उसके घर से 14 बोरियों में करीब 400 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके पास पटाखे बेचने का कोई लाइसेंस नहीं है। आरोपियों के अनुसार वे दीपावली के दौरान बड़ा परेड ग्राउंड में अस्थायी दुकान लगाकर पटाखे और अन्य विस्फोटक सामान बेचते हैं। इसके अलावा घर में पटाखे रखकर शादी और अन्य समारोहों में भी बिक्री करते हैं।

पुलिस के मुताबिक, घनी आबादी के बीच घरों में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे और विस्फोटक सामान रखा जाना गंभीर खतरे की वजह बन सकता था। समय रहते कार्रवाई होने से संभावित हादसे को टाला गया।

एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में की गई।

पहली टीम में उपनिरीक्षक रमन कुमार वर्मा, शैलेंद्र कुमार, प्रीति वर्मा और जयनाथ चौहान, हेड कांस्टेबल गोविंद यादव और मुक्तेश्वर यादव तथा कांस्टेबल अभिनेश त्रिपाठी, अंशुल कुमार, सौरभ यादव, आशुतोष गुप्ता और दिवाकर भोजवाल शामिल रहे।

दूसरी टीम में उपनिरीक्षक आनंद कुमार और सूर्या प्रकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल जयमंगल यादव तथा कांस्टेबल विनय प्रताप सिंह, नीरज कुमार, मो. असलम और अमन वर्मा शामिल रहे।

कोटेदारों का लाभांश बढ़ा, महराजगंज में कलक्ट्रेट पहुंच कर जताई खुशी

संवाददाता—महराजगंज। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की जिम्मेदारी संभाल रहे कोटेदारों के लिए सरकार का लाभांश बढ़ाने का फैसला राहत लेकर आया है। लाभांश में 35 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कर इसे 90 से 125 रुपये किए जाने पर बुधवार को जिले भर के कोटेदारों ने खुशी जताई। जिलाध्यक्ष पौहारी शरन के नेतृत्व में कोटेदारों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री व खाद्य/रसद मंत्री को धन्यवाद पत्र भेजकर आभार जताया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब, जरूरतमंद व पात्र परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने में उचित दर विक्रेता सरकार एवं लाभार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। लाभांश बढ़ने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वितरण व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। कोटेदारों ने खाद्य/रसद मंत्री के प्रति विशेष आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने उचित दर विक्रेताओं की समस्याओं व हितों को गंभीरता से लेते हुए लाभांश वृद्धि की मांग को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। कोटेदारों ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता जताते हुए भविष्य में भी उनके हित में सकारात्मक निर्णय लिए जाने की उम्मीद जताई।

इस दौरान राजेन्द्र सोनी, रमेश चन्द गोंड, ईश्वर चन्द पटेल, तिलकधारी, संतराम, बीकलाल वर्मा, मार्कण्डेय पटेल, परमहंस, राजकुमार, श्रीप्रकाश पासवान, सरफुद्दीन आजमी, चंद्रमोहन पटेल, कमलकिशोर यादव, निर्मल यादव, उदित नरायन, दिलीप कुमार, सतीश कुमार, अखिलेश गुप्ता समेत जिले के सभी कोटेदार मौजूद रहे।

डीएम खुद विवादित जमीन पर पहुंचे, फाइलों से निकलकर दोनों पक्षों के सामने नापी हकीकत

संवाददाता—बलरामपुर। राजस्व विवादों के रुके हुए मामलों को अब डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन खुद मौके पर पहुंचकर सुलझाने में लगे हैं। रुके हुए राजस्व मामलों को जल्दी, साफ और सही तरीके से निपटाने की मुहिम के तहत बुधवार को डीएम ने भगवतीगंज और विशुनापुर जाकर विवादित जगहों की असलियत परखी। खास बात यह रही कि मौके पर जांच दोनों पक्षों की मौजूदगी में कराई गई। इससे मौके की असलियत और कागजों में दर्ज जानकारी के बीच कोई अंतर नहीं रहा। डीएम ने अपने राजस्व कोर्ट में चल रहे मामलों से जुड़ी जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद दोनों पक्षों से जानकारी ली और मामले से जुड़ी बातों को समझा। निरीक्षण के दौरान संबंधित कागजों और मौके की स्थिति का मिलान करते हुए विवाद के अलग—अलग पहलुओं की जांच की गई। डीएम ने कहा कि राजस्व मामलों को निपटाने में कागज बहुत जरूरी हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर मौके की असलियत जांचना भी उतना ही अहम है। इससे विवाद के असली तथ्यों को समझने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। डीएम के इस कदम से साफ है कि लंबे समय से रुके राजस्व मामलों को सिर्फ फाइलों में आगे बढ़ाने के बजाय, मौके की असलियत जांचकर फैसला लेने की प्रक्रिया तेज करने पर जोर है। डीएम ने सभी एसडीएम को राजस्व मामलों को निपटाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं सम्बंधित श्री मंजूर पुत्र श्री लच्छू, निवासीमो० वेलवाडाड़ी पो० गांधी नगर बस्ती को सूचित किया जाता है कि आप नगर पालिका परिषद बस्ती में स्थायी सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। आप बिना किसी सूचना/प्रार्थना पत्र के लगातार विगत कई वर्षों से कार्यालय से अनुपस्थित चल रहे हैं। आपकी इस अनुपस्थिति के संबंध में विभाग द्वारा पंजीकृत डाक के माध्यम से तीन पृथक नोटिस जारी किए गये थे—

प्रथम नोटिसः पत्रांक—1322/न०पा०प०ब0/स्वा० अधि०/2025—26/दिनांक—22.07.2025 अनुस्मारक—1
द्वितीय नोटिस पत्रांक—1648/ न०पा०प०ब0/स्वा० अधि०/2025—26/दिनांक—28.08.2025 अनुस्मारक—2
तृतीय नोटिसः पत्रांक—185/न०पा०प०ब0/स्वा० अधि०/2026—27/ दिनांक—10.06.2026 अनुस्मारक—3 उक्त तीनों नोटिस आपके पते पर प्रेषित किए जाने के बावजूद आपने न तो अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और न ही कोई स्पष्टीकरण या जवाब प्रस्तुत किया। लगातार तीन वर्षों से अधिक समय से अनुपस्थित रहना सेवा नियमों का गंभीर उल्लंघन तथा घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

अत. आपको इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अंतिम अवसर प्रदान करते हुये निर्देशित किया जाता है कि यह सूचना प्रकाशन होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर उपस्थित होकर अपनी अनुपस्थिति का संतोष जनक कारण प्रस्तुत करें अथवा अपना कार्यभार ग्रहण करें। स्मरण रहे निश्चित समयावधि में उपस्थित न होने की दशा में यह मान लिया जायेगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है। तत्पश्चात आपके विरूद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली के अनुसार आपको बिना किसी सूचना के सेवा से बर्खास्त कर दिया जायेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आपकी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः 1326A / न०पा०प०ब० /स्वा०अधि०/2026—27   दिनांकः— 01—09—2026